नमूना प्रश्न पत्र

समय: दो घंटे **अंक: 40**

नोट: सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. एक अंक के प्रश्न का लगभग 15 शब्दों में उत्तर दीजिए।

2. दो अंक के प्रश्न का लगभग 30 शब्दों में उत्तर दीजिए।

3. पांच अंक के प्रश्न का लगभग 50 शब्दों में उत्तर दीजिए।

1. मियाँ तानसेन ने ध्रुपद की कौन-सी 'वानी' बनाई। (1)

   1. गोबरहार 2. अलंकार 3. डागर 4. खंडार

2. निम्नलिखित स्वरों में कौन-से स्वर 'अचल' हैं। (1)

   1. म 2. सा 3. ग 4. नि

3. भातखंडे पद्धति के अनुसार खाली का चिन्ह क्या है? (1)

4. निम्नलिखित कलाकारों में 'नियामत खाँ' किसका वास्तविक नाम था? (1)

   1. अदारंग 2. सदारंग 3. तानसेन 4. फिरोज़ खाँ

5. पं. अहोबल द्वारा वर्णित चार प्रकार के वाद्ययंत्र कौन-से हैं? (1)

6. पं. शारंगदेव के अनुसार निम्नलिखित किन्हीं दो वाद्ययंत्रों के प्रकारों का उल्लेख कीजिए। (1)

   1. बाँसुरी 2. वीणा 3. झाँझ 4. पखावज

7. ध्रुपद गायन शैली में प्रयोग आने वाले तालों के नाम लिखिए। (1)

8. 'लय' किसे कहते हैं? हिन्दुस्तानी संगीत में कितने प्रकार की लय का प्रयोग होता है? (1)

9. अपने पाठ्यक्रम में से भातखंडे द्वारा रचित दस थाटों में से किसी एक थाट की राग की पहचान कीजिए। इसके आरोह और अवरोह लिखिए। (1)

10. निम्नलिखित तालों में से किन्हीं दो तालों का ठेका लिखिए। (2)

    1. तीनताल 2. कहरवा 3. दादरा 4. एकताल

11. आरोही और अवरोही वर्ण का अर्थ बताइए। (2)

12. दो खाली वाली ताल की पहचान कीजिए और ताल का ठेका लिखिए। (2)

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए। (2)

    1. मात्रा 2. स्वर 3. सप्तक

14. संगीत रत्नाकर के अनुसार 'श्रुति' को परिभाषित कीजिए। श्रुति की संख्या के संदर्भ में क्या-क्या भिन्न दृष्टिकोण हैं? (2)

या

थाट क्या है? दस थाटों के नाम लिखिए।

15. 'साम गान' के तीन मुख्य स्वर क्या हैं? उनके सांगीतिक अर्थ बताइए। (2)

16. 'मार्ग' व 'देशी' संगीत से आप क्या समझते हैं? पं. शारंगदेव के अनुसार 'मार्ग' व 'देशी' संगीत का विश्लेषण कीजिए। (2)

17. राजा मानसिंह ने किस तरह की गायकी को विख्यात किया। उनके द्वारा रचित किताब का नाम लिखिए। अदारंग व सदारंग के असली नाम क्या थे। इनकी संरचनाओं में किस राजा के नाम का उल्लेख है? (2)

18. अपने पाठ्यक्रम में से 'ग' व 'नि' कोमल वाले राग को पहचान कर नाम लिखिए तथा भातखंडे पद्धति के अनुसार बंदिश की स्थायी की स्वरलिपि लिखिए। दो आलाप भी लिखिए। (5)

19. सामवेद के अनुसार शुरू के तीन स्वरों से सात स्वरों तक के विस्तार का वर्णन कीजिए। (5)

या

वीणा के तारों पर स्थापित शुद्ध और परिवर्तित स्वरों के संदर्भ में पंडित अहोबल के हिन्दुस्तानी संगीत को दिए गए योगदान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

20. 'पं. भातखण्डे ने हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को जनसाधारण तक पहुँचाया', वर्णन कीजिए। (5)

या

पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर का हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में योगदान का क्या प्रभाव पड़ा?